Man-days lost during last six months

4276. SHRI NIHAR LASKAR:
DR. HENRY AUSTIN:

Will the Minister of PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR be pleased to state:

(a) whether a large number of man-days were lost during the last six months;

(b) if so, whether this is a record one;

(c) how many of them were in the Central or State sphere and how much in the public sector; and

(d) what steps are being taken in this regard?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA): (a) to (c). Complete statistics in regard to the number of mandays lost due to industrial disputes are still awaited from several State Governments; till such reports are available, it is not possible to reach any conclusion.

However, a statement giving the break-up of available figures of man-days lost for the years 1974, 1975 and 1976 and 1977 (Jan. May) is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT 782/77].

(d) Wherever necessary, the Government is intervening in disputes with a view to promoting settlements. The Government are also proposing to make changes in the law relating to industrial relations, and for this purpose has set up a tripartite Committee which is likely to submit its report within a period of two months. The report of the Committee will enable the Government to bring forward the necessary legislation on the subject.

कैवेन्डर डेरी, दिल्ली को बन्द किया जाना

4277. **श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा :**
श्री रामनरेश कुशवाहा :

क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिरला बन्धुओं ने आपात काल के दौरान कैवेन्डर डेरी, दिल्ली को बन्द कर दिया था; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और इसके फलस्वरूप कितने व्यक्ति बेरोजगार हुए और उनको वैकल्पिक रोजगार दिलाने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मन्त्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) : (क) और (ख). दिल्ली प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार उक्त फर्म जो कि डालमिया बन्धुओं की है और न कि बिड़ला बन्धु की, दुध प्राप्त करने में प्रबन्धकों द्वारा अनुभव की गई कथित कठिनाइयों के कारण बन्द हो गयी । बेरोजगार हुए श्रमिकों की संख्या 145 थी । यह सूचना मिली है कि इनमें से 92 श्रमिकों ने अपने बकाया दावों का पूर्ण और अन्तिम रूप से निपटान कर लिया है–51 श्रमिकों ने 31 मई, 1976 को किए गए समझौते के बाद और शेष 41 श्रमिकों के 31 अगस्त, 1976 को हुए समझौते के बाद दिल्ली प्रशासन के अनुसार इन समझौतों में श्रमिकों को वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था का उल्लेख नहीं किया गया और न ही शेष श्रमिको ने इस संबंध में दिल्ली प्रशासन को कोई अभ्यावेदन दिया ।

Telephone Connections in Ankleshwar Industrial Estate in Gujarat

4278. SHRI AHMED M. PATEL: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state: